सी.सी.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा संचलित....

वार्षिक अहवाल

सन - २०१५-१६

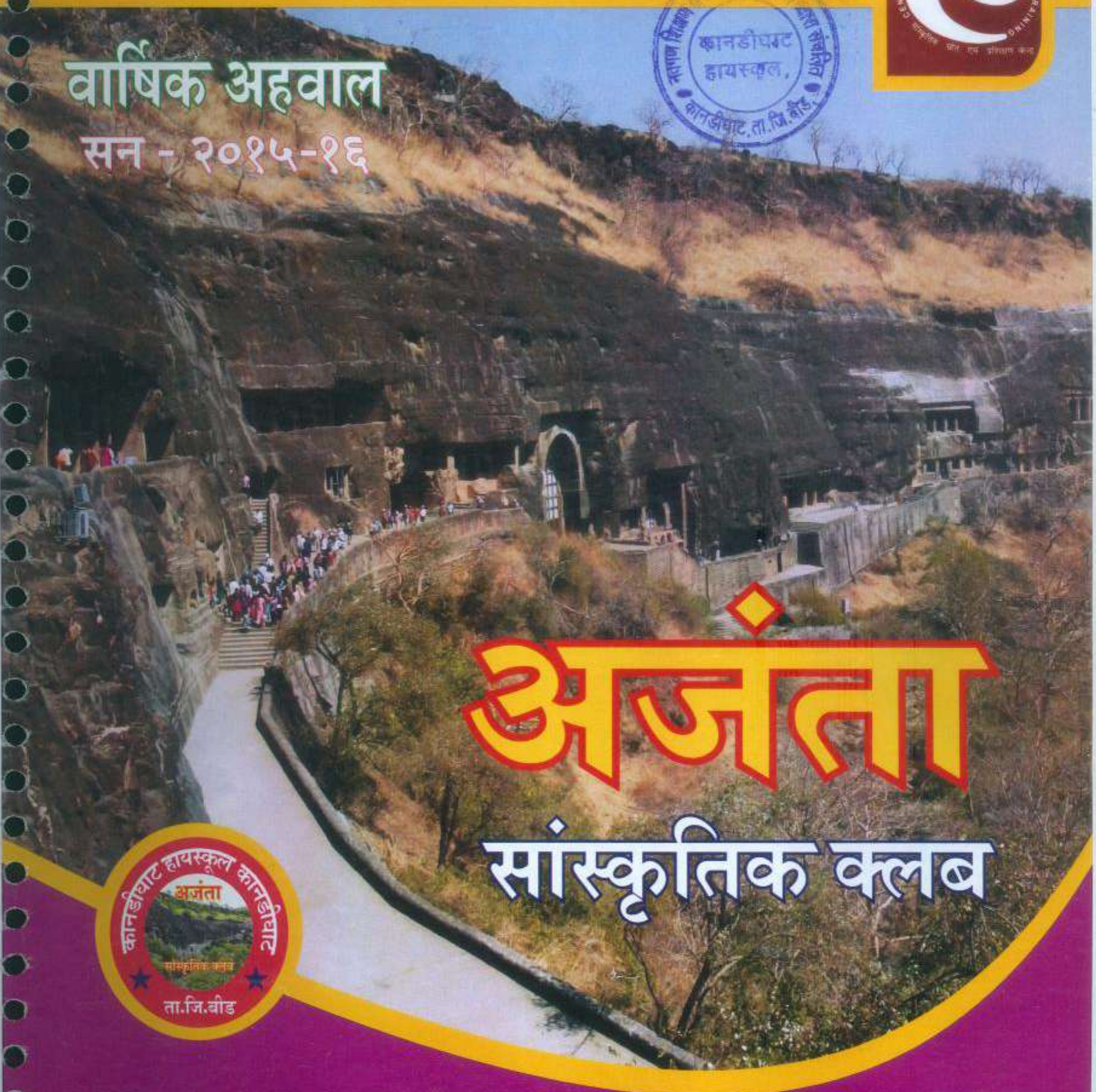

अजंता

सांस्कृतिक क्लब

कानडीघाट हायस्कूल कानडीघाट

ता.जि.बीड

(महाराष्ट्र)

MEMBERS LIST OF AJANTA CULTURAL CLUB

KANADIGHAT HIGHSCHOOL KANADIGHAT

TAL & DIST BEED (MAHARASTRA)

CHIEF PATRON -------- SHRI.KASBE M.N.(HEAD MASTER)

TEACHER IN CHARGE ------------- shri. Jadkar R.D.

CO.TEACHER ------ CHANDANSHIV L.S, PATHAN I.S.SHINDE B.D. ,MANE R.N. SAYYAD L.C. ,PACHANKAR G.B. AJABE R.G.

PRESIDENT---------- ZODGE DATTA PANDURANG

SECRETRY- ----------- -KADAM TUSHAR POPAT

TREASUR-------------- KURESHI SAMEER SALIM

CO-ORDINATOR------ KAWADE PALLAVI APPARAO

HINDULE POOJA SUDAM

GENRAL MEMBERS LIST OF AJANTA CLUTURAL CLUB

MULE KRUSHANA MAOTIRAM	NAIKWADE DHIRAJ HANUMANT
JAGTAP VIKAS GOKUL	ZODGE MANOJ RAOSAHEB
NAIKWADE SHITAL RAMBHAU	NAIKWADE ARCHANA ANKUSH
TAGAD ANJALI BAJIRAO	KAWADE ASHWINI SHIVAJI
KAWADE RUTUJA SUNIL	HINDULE PALAVI SUDAM
KAWADE MONIKA POPAT	ZODGE POOJA SURESH
MANGHARE KAJAL ABHIMAN	YADAV JOTI RAJEBHAU
ZODGE GANESH SHERAO	KAWADE RAHUL RAMESH
KAWADE AJINKYA BHAGWAN	CHOUDHARI RUSHIKESH ANKUSH
BHOYTE SEEMA NARAYAN	MULE MAHESH MOHAN
SABLE SAGAR SANTOSH	KHOSE RADHIKA ASHOK
ZODGE PRATIKSHA BHASKAR	BHAND SHIVANI SHIVAJI
KAWADE KIRTI BALASAHEB	NAIKWADE RUTUJA GOPINATH
KAMBLE JALINDAR DILIP	ZODGE YOGESH LAHUDAS
KUDKE ROHIT HARIBHAU	KUDKE ABHIJIT SUSHEN
KUDKE ABHISHEK SUSHEN	ZODGE SHUBHAM PAJAB
KAWADE MAYUR SHIVAJI	MATKAR AMAR CHTRBHUJ
NAIKWADE SEEMA SHIVMURTI	MATKAR SHRUTI BHARAT
KAWADE SANDHYA ANIL	ADAGALE SNEHAL SURESH

पत्र सं. 6591
12 JUL 2016

मनोगत ------

मैने सी. सी.आर.टी .व्दारा भेजा गया स्कूल का अभिनंदन किया हुआ पत्र देखा मुझे भी बहोत खुशी हुयी की ग्रामीण ईलाके में काम करने वाले स्कुल ईतना अच्छा काम कर सकते है |

मैने ईस साल का रीपोर्ट देखा तो इस क्लब ने सालभर बहोत हि अच्छा काम कीया है |बहोत सारी हस्तकलायें ईन्होने सिख ली है | मै इस अजंता सांस्कृतिक क्लब के सभी सदस्यों का इनचार्ज का काम देखने वाले श्री. जाडकर आर.डी. सर और स्कूल के हेडमास्टर श्री.कसबे एम.एन.के सहित सभी स्टाफ को और अच्छा काम करने की और ऐसेही आगे बढने के लिए मेरे ओर से शुभकामनाएँ देता हूँ | बाकी स्कूल भी इनकी प्रेरणा लेके अपने स्कूलों को भी आगे बढाये |

Dist.Dep. Educatation Officer
Beed (Maharastra state)

मनोगत—————

हमारे स्कूल में सी.सी.आर.टी. ने कल्चरल क्लब खोलने के 2014-15 में पहली बार चुना और पहली बार हमारे अजंता कल्चरल क्लब 2014-15 की रिपोर्ट को पहले सात रिपोर्टोमें चयन समिती ने सी.सी.आर.टी. के वेबसाईट पर रखने के चुन लिया | मै हमारे अजंता कल्चरल क्लब की ओरसे और मेरी ओर से सी.सी.आर.टी. को धन्यवाद देता हूँ |

साल भर स्कूल में अजंता कल्चरल क्लब की बहोत सारी गतिविधीया चलती रहती है | अजंता कल्चरल क्लब से हमारे सभी सदस्योंको बहोत कुछ सीखने मिलता है और भारतीय संस्कृती को जानना मिलता है |

अजंता कल्चरल क्लब केप्रभारी श्री.जाडकर आर.डी. और मेरे सभी शिक्षक गण इस पवित्र कार्य में लगे रहते है | औरअजंता कल्चरल क्लब को हमेशा मदत करते है | 2015-16 में अजंता कल्चरल क्लबने और भी बेहतर काम करने की कोशीश की है | सी.सी.आर.टी.को और एक बार धन्यवाद देता हूँ |

कानडीघाट
हायस्कूल,

Head Master
Kanadighat High School
Kanadighat, Ta.Dist Beed

प्रधानाध्यापक
श्री.कसबे एम.एन.
कानडीघाट हायस्कूल ,कानडीघाट
ता.जि.बीड (महाराष्ट्र)

मनोगत.........

साल 2014-15 में पहली बार सी.सी.आर.टी.ने हमारे स्कूल कानडीघाट हायस्कूल ,कानडीघाट ता.जि.बीड(महाराष्ट्र) मे सांस्कृतिक क्लब स्थापित करने का मौका दिया और दुसरे साल के लिए भी अनुमती दे दी इसलिए सी.सी.आर.टी. का मै आभारी हूँ ।सी.सी.आर.टी.ने हमे इस क्लब के माध्यम से हमारे भारत देश की महान संस्कृती और पंरपराओंको जानने का,जतन करने का और हस्तकला सिखने का मौका दिया है।

हमारेअजंता सांस्कृतिक क्लब का साल 2014-15 का वार्षिक रिपोर्ट हमने आपको भेजा था चयन समिती ने 358 रिपोर्ट मे से सात रिपोर्ट सी.सी.आर.टी. के वेबसाईट पर रखने के चयन किया इसलिए सभी को धन्यवाद हमारे इस काम में जिनका भी हमे सहकार्य मिला उन सभी को धन्यवाद।

सी.सी.आर.टी. ने हमे और अच्छा काम करने की प्रेरणा दी है। हमारे जिले के डे.एज्युकेशन ऑफीसर श्री.हजारे साहब हमारे स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री. कसबे एम.एन. सर ,मेरे सभी सहकारी भाई ,हमारे डि.आर.पी.श्री.माधव जोशी सर , क्लब के सभी सदस्य इन सभी का मै यहा पर आभारी हूँ। 2015-16 मे हम और भी अच्छा काम करके सी.सी. आर.टी. को ये रिपोर्ट भेज रहे है इसका स्विकार करें ।

क्लब इनचार्ज - श्री.जाडकर आर.डी. (Assitant Teacher)

कानडीघाट हायस्कूल ,कानडीघाट ता.जि.बीड(महाराष्ट्र)

-------पेपर मेशी ---------

पेपर मेशी की कला मै अंजता क्लब इनचार्ज जाडकर आर.डी. सी.सी.आर.टी. नई दिल्ली में देवनारायण रज्जक जी से सिखा था | उन्होने बहोत अच्छी तरह से यह कला हमें सिखाई थी | यही कला हमने अजंता क्लब केसभी सदस्योंको सिखाई और हमने इस कला से फाईल कव्हर और पेन स्टॅड बनवाये है |बाद में पेपर मेशी से बहोत सारी वस्तुअें सदस्योंने घर पर बनवाकर स्कुल में लायी है|

आवश्यक साहित्य--------

जाडे कव्हर,
पुराने न्युज पेपर,
चिपकाने केलिए गम या फेवीकॅाल,
कैची,
कलर ,
पोस्टर या ॲक्रॅलिक कलर,
टच वुड कलर,

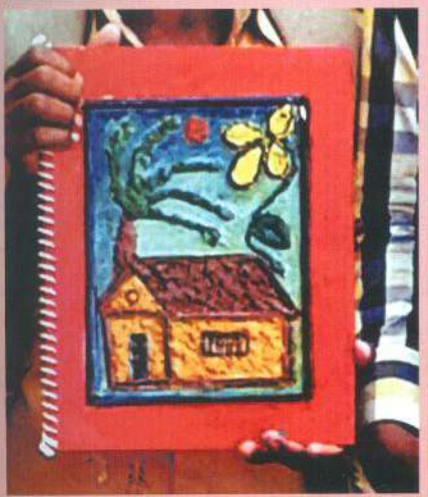

पेपर मेशी स्टँड

पेपर मेशी स्टँड

पेपर मेशी से पेन स्टॅड वर्कशॉप

PAPER BALL(पेपर बॉल)

तैयार कीये हुये पेपर बॉल और हार को दिखाते हुये

kitepaper craft - flowers

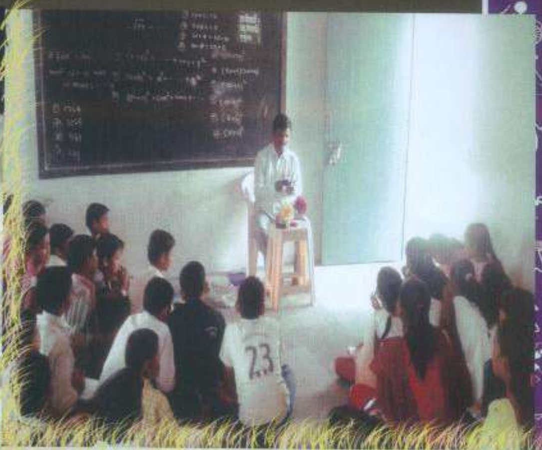

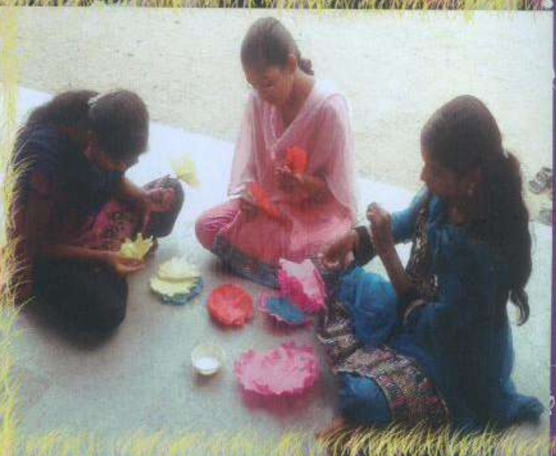

kitepaper craft - flowers

कार्यालय

कार्यालय

मला वाचन करायला वेळ नाही म्हणणारी व्यक्ती आपली
मानसिक आत्महत्या करीत आहे हे
बाळगा

--------- बांधणी (टाय&डाय) -------

बांधणी की कला हमारे देश की बहोत पुरानी कला है | बांधणी की कला हमारे देश में विशेषतः राजस्थान और गुजरात राज्योंमे चली आ रही है| बांधनी की कला इस्तेमाल करके साडीया टेबल क्लॉथ ,लुंगीया बनाते है |इस कला से बने कपडोंका हमारे भारत देश में पारंपारीक महत्व है | इस कला के बारे में जानकारी हमें श्रीमती स्वाती जैन मॅडम जन शिक्षण संस्था बीड इन्होने दि है| और हमारे क्लब सदस्योसे इस कला की प्रॅक्टीकल कर के लि है | इससे हाथरुमाल तैयार करकेदिखाये और तैयार कर के लिए है | हम सब क्लब के सदस्य इनके आभारी है |

बांधणी केलिए आवश्यक साहित्य------

मलमल का कपडा या सुती कपडा ,
बांधणी के रंग,
पक्का धागा ,
बंधने के लिए मोती,
छोटे छोटे सिक्के,
रेती के छोटे छोटे पत्थर,
साधा नमक,
धोने का नमक
डायफिक्सर इत्यादी

बांधनी कला से कल्ब सदस्योंने तैयार कीये गये हाथरुमाल

अजंता सांस्कृतिक कला

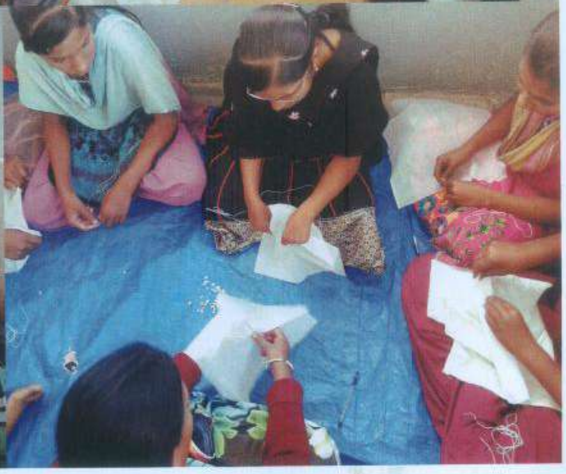

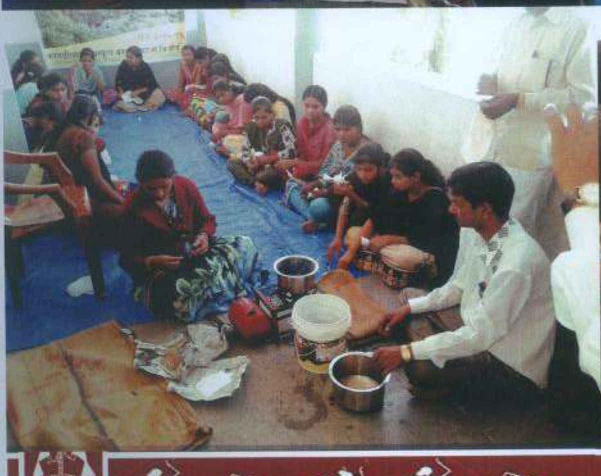

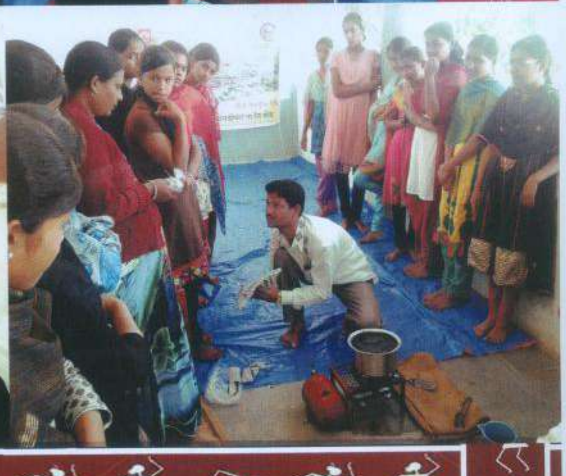

टाय आणि डाय (बांधणी) वर्कशॉप

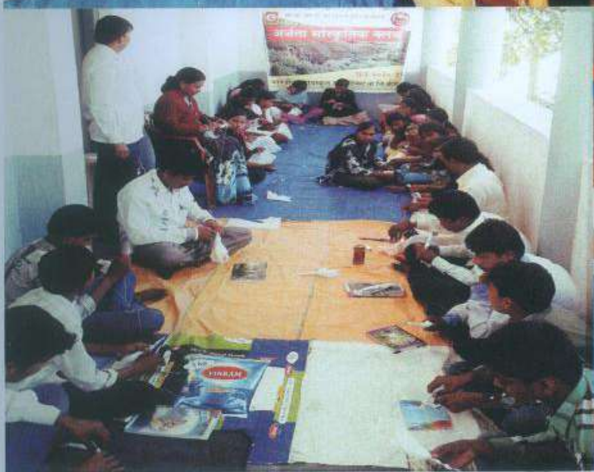

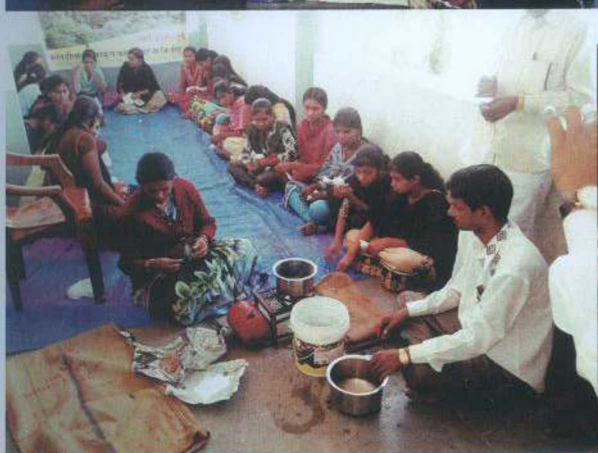

शिल्प कला के परीचय हेतू हमने बनाया गणेशजी को

गणेश फेस्टीवल मे रंगोली वर्क

गणेश फेस्टीवल मे रंगोली वर्क

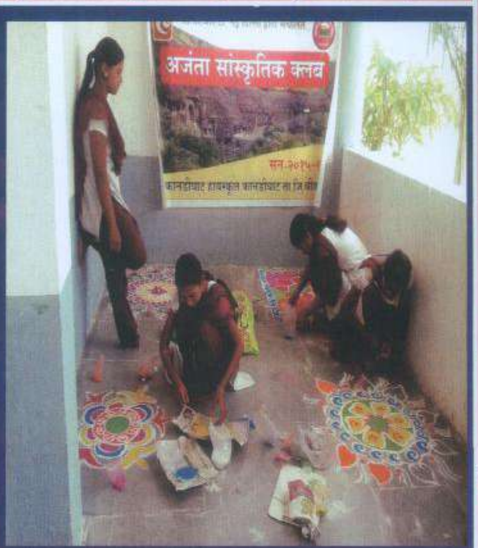
अजंता सांस्कृतिक क्लब

अजंता सांस्कृतिक क्लब
सन-२०१५-१६
कानडीघाट हायस्कूल कानडीघाट ता.जि.बीड.

RANGOLI WORK

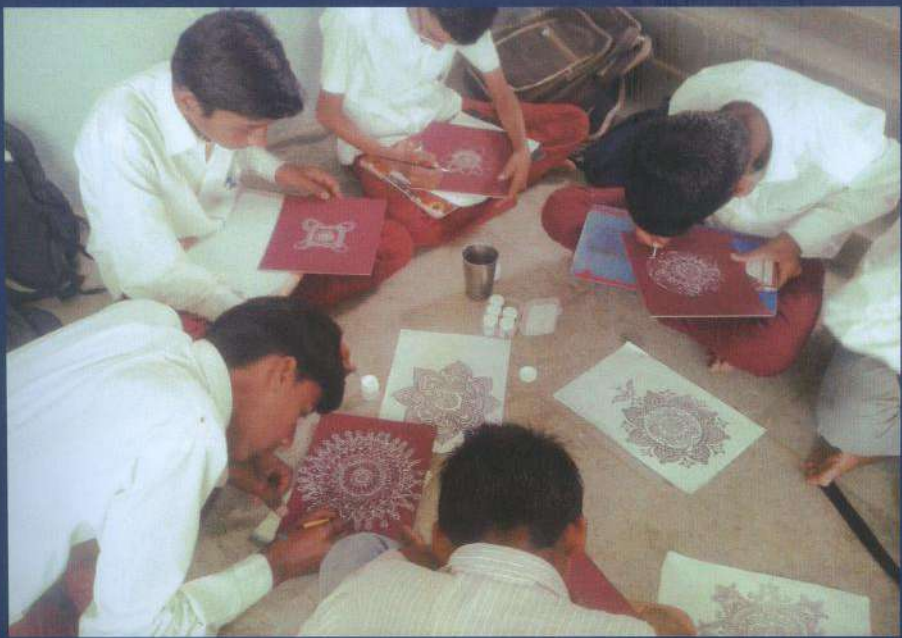

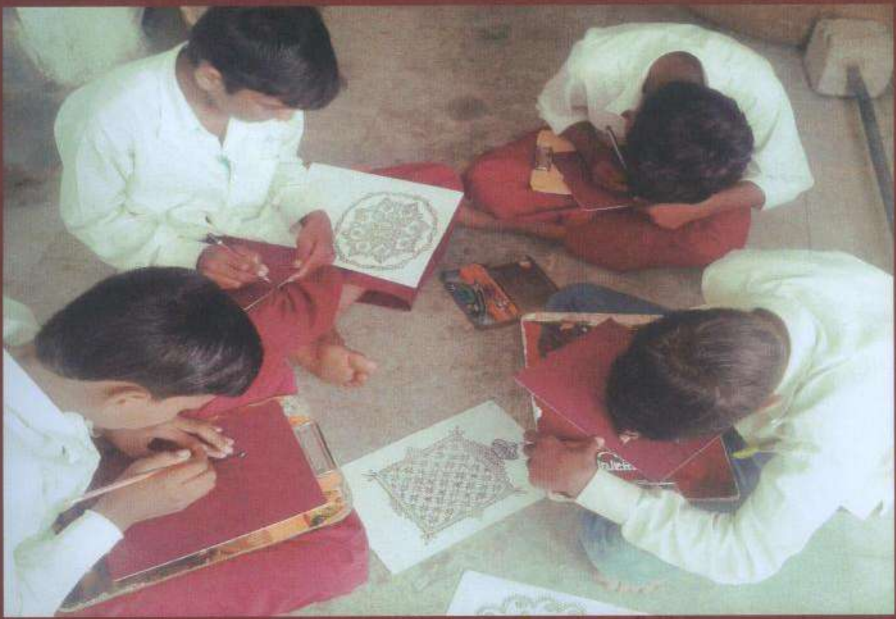

| राखी बनाने की कार्यशाला |

(workshop for makeing Rakhi)

भारतीय संस्कृती में रक्षाबंधन का एक विशेष महत्व है | स्कूल में हर साल की तरह इस साल भी रक्षाबंधन को त्योहार मनाना था | तो इस कार्यक्रम को लगने वाली राखीयाँ बाजार से खरीदने के बजाय हमारे क्लब के सदस्योंने अपने हाथों से बनाई | इसके लिए हमारे अध्यक्षने हमारे इनचार्ज के साथ बाजार में जाकर वुलन केधागे, गम,और चिपाकाने लिए ज्वेलरी लाई | इमारे इनचार्ज श्री.जाडकर आर.डी. सर राखी कीस तरह से बनाई जाती है ये हमें सिखाया | हम सभीने मिलकर ये राखीयाँ बनाई और स्कूल मे और घर पर भी राखीया बनाकर उन्ही का इस्तेमाल कीया हमे इस काम मे बाहोत आनंद मिला |

वुलन के धागेसे राखीयाँ बनाती हुयी कल्ब् की सभासदे

कार्यालय

आकाशकंदिल

दिवाली तो हम हर साल बडी धूमधाम से मनाते हैं। घरोपर आकाशकंदिल नही ऐसा एक ही घर दिखाई नही देता। बाजार से आकाशकंदिल खरीदने से हमारे बहोत सारे पैसे खर्च होते हैं। हमारा ये क्लब लगातार तीन साल से स्कूल में ही अपना अपना आकाश कंदिल बनाते है। हर साल नये प्रकार का कंदिल बनाते हैं। इस साल हमने हँडमेड पेपर से कंदिल बनाये हैं।

आवश्यकसाहित्य -

हँडमेडपेपर सीट,
फेवीकॉल,
ट्रेस पेपर,
कैन्ची,
वुलन धागा बंडल
कटर छोटा

उपरी सामग्री से हमने इस साल कंदिल बनाये है।

WORKSHOP OF LANTREN (आकाशकंदील)

पुतलीकला (Art of Puppetry)

कानडीघाट हायस्कूल,कानडीघा
ता.जि.बीड.

वर्ग-सहावा

वर्ग-सहावा

कार्यालय

चित्रकला कार्यशाळा
WORKSHOP OF DRAWING
दि. 25/08/2015
मार्गदर्शक - श्री. नन्नवरे सर
(के.पी.बी.डी. माध्यमिक वि. पाडळशिंगी)
उद्घाटक - श्री. केसव एम.एन. (मु.अ. कानडीघाट हायस्कूल)

चित्रकला कार्यशाळा
WORKSHOP OF DRAWING

चित्रकला कार्यशाळा
WORKSHOP OF DRAWING

चित्रकला कार्यशाळा
WORKSHOP OF DRAWING

चित्रकला कार्यशाळा
WORKSHOP OF DRAWING

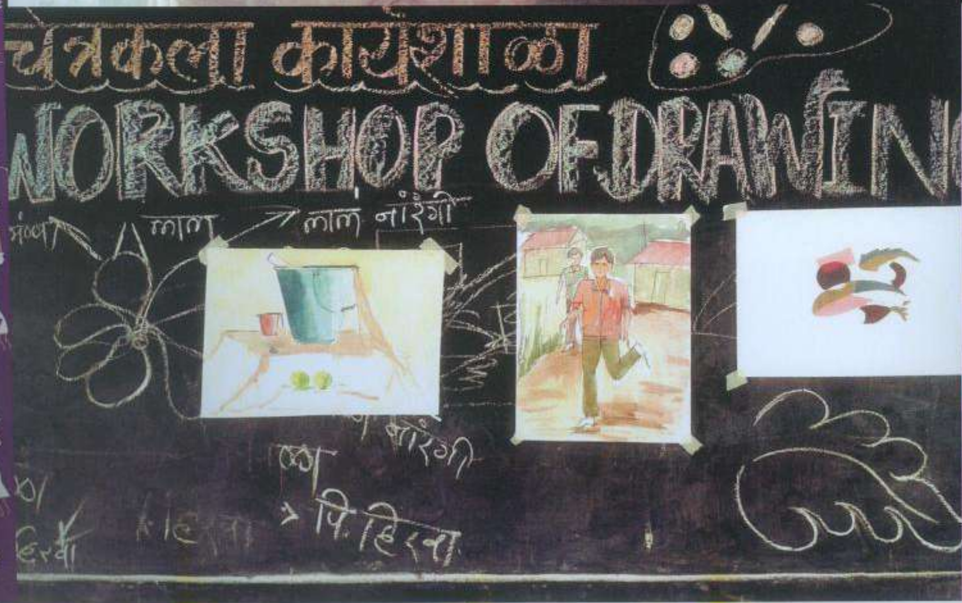
लाल नारंगी

सी.सी.आर.टी.व्दारा दिये गयें फांटां अल्बम का प्रदर्शा

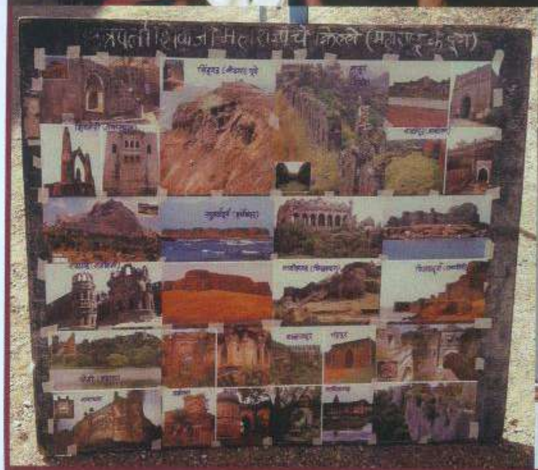

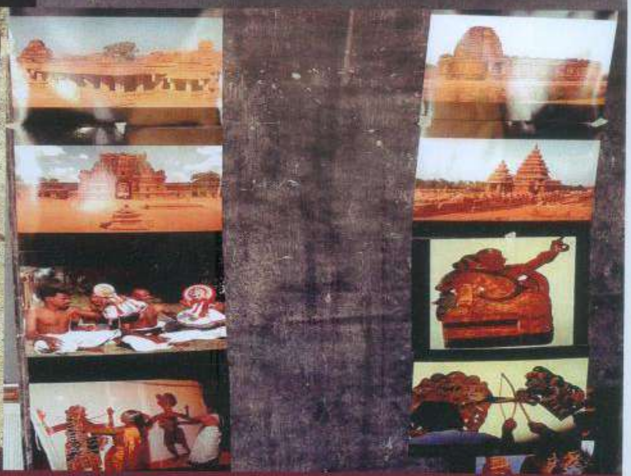

वारली और आदिवासी चित्रकला

हमारा अजंता सांस्कृतिक क्लब हमेशा हमारे भारत देश की महान संस्कृती को जानने के लिए और समझने के लिए काम करता आ रहा है| हमने ये प्रेरणा सी.सी.आर.टी. नई दिल्ली से और कोणार्क सांस्कृतिक क्लब न्यु हायस्कूल बेलपुरा अमरावती से लि है| हमे सी.सी.आर.टी. के वेबसाईट पे उनका क्लब रिपोर्ट देखने को मिला | उनके मै धन्यवाद देता हु | मैने ये वारली और आदिवासी चित्रकला सी.सी.आर.टी.के भुवनेश्वर में मेरा हमारी सांस्कृतिक विविधता का ट्रेनिंग हुआ था वहां पर सिख ली थी तो मैने य ह कला हमारे सदस्योंका सिखाई | बाद मे हमारे इन सदस्योंने उसीसे फ्रेम और इनोलप बनाये |

हमारे यहां सावन के आमावस्या के दिन बैल पोला ये त्योहार मनाते है|

तो उस दिन काऊ ब्राऊन कलर की मिटटीसे और चुने के सपेद्द कलर से दिवारीपर जो चित्र निकाले जाते है तो वह सब वारली चित्रकला है यह बात उनके कला सिखने बाद समझ में आ गई |

वारली चित्रकला से फ्रेम बनाते हुये

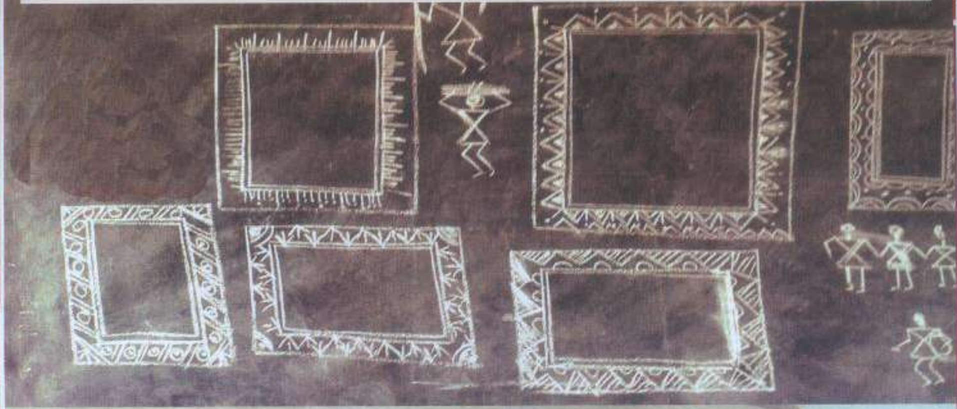

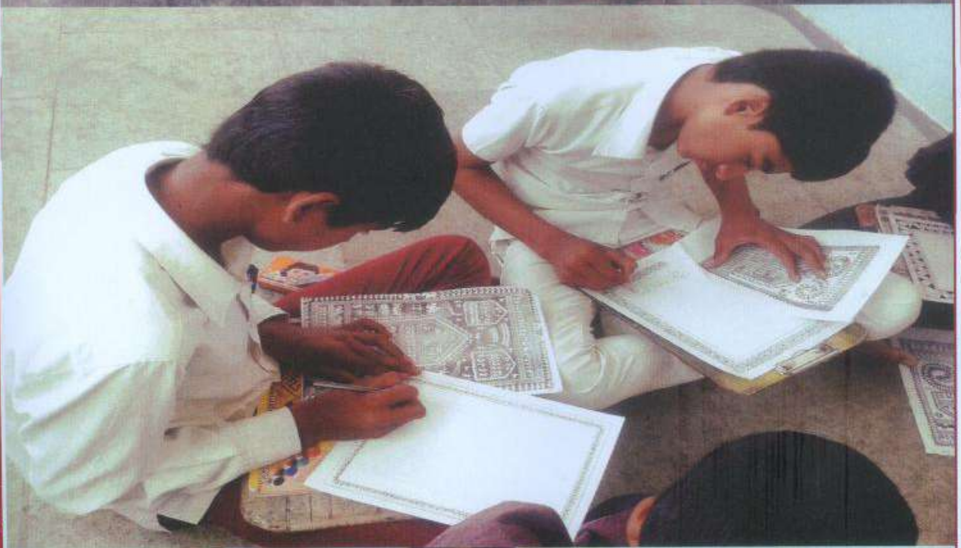

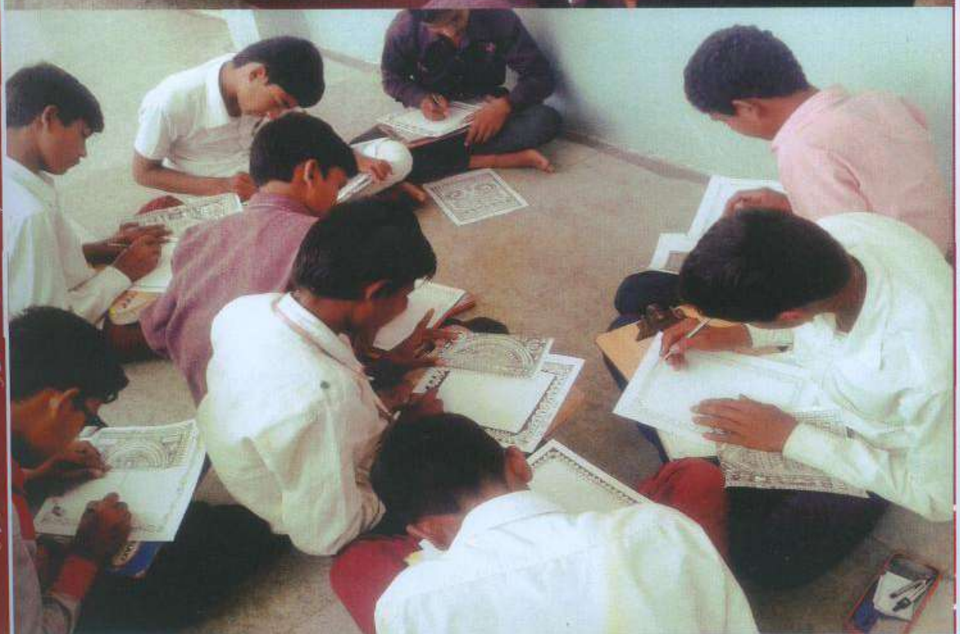

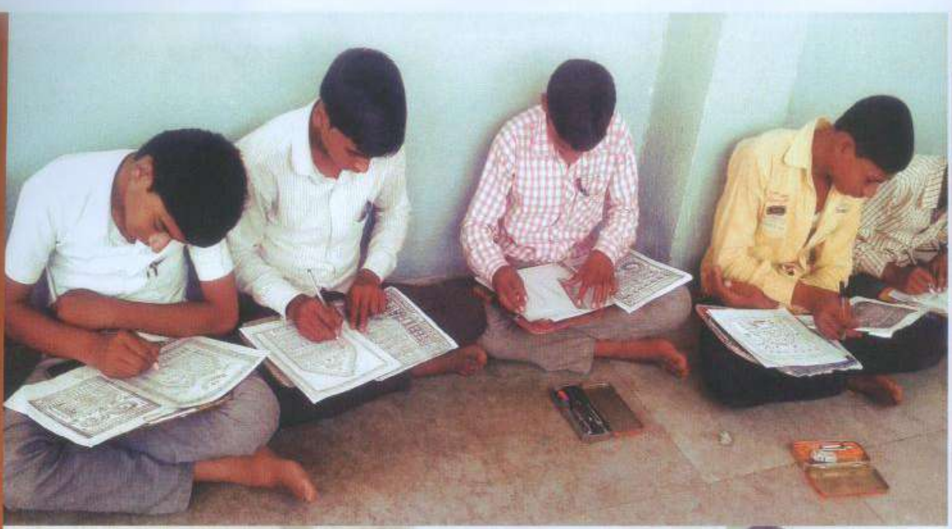
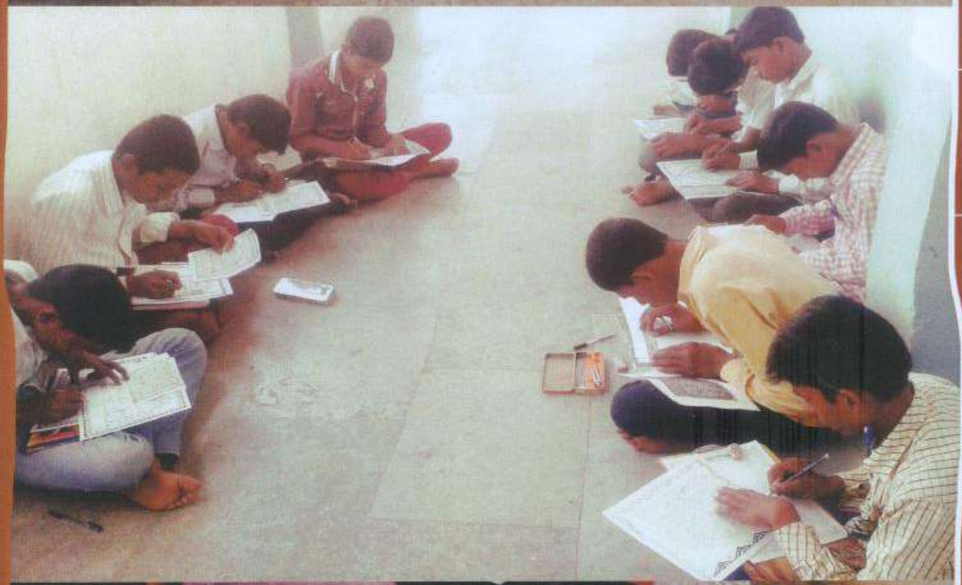
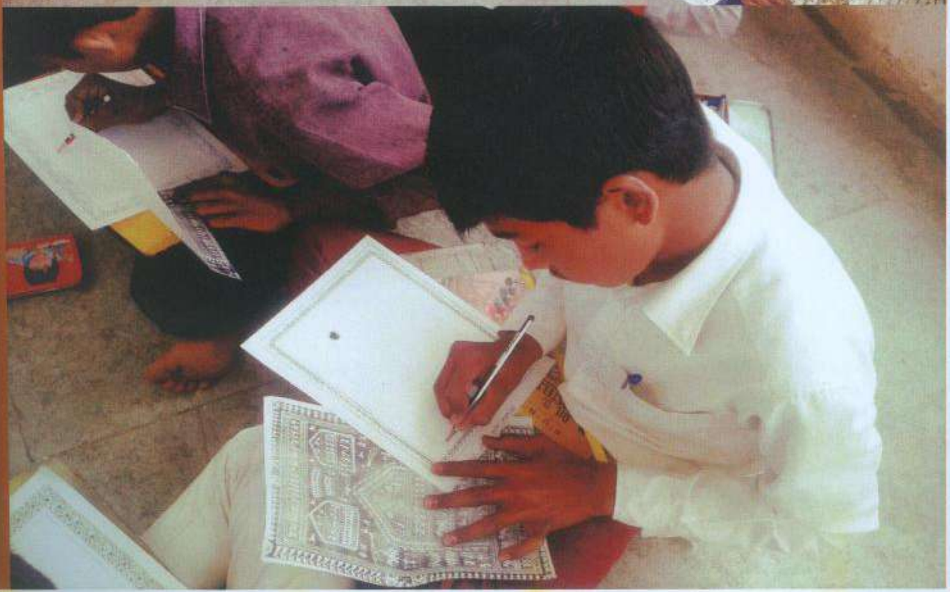

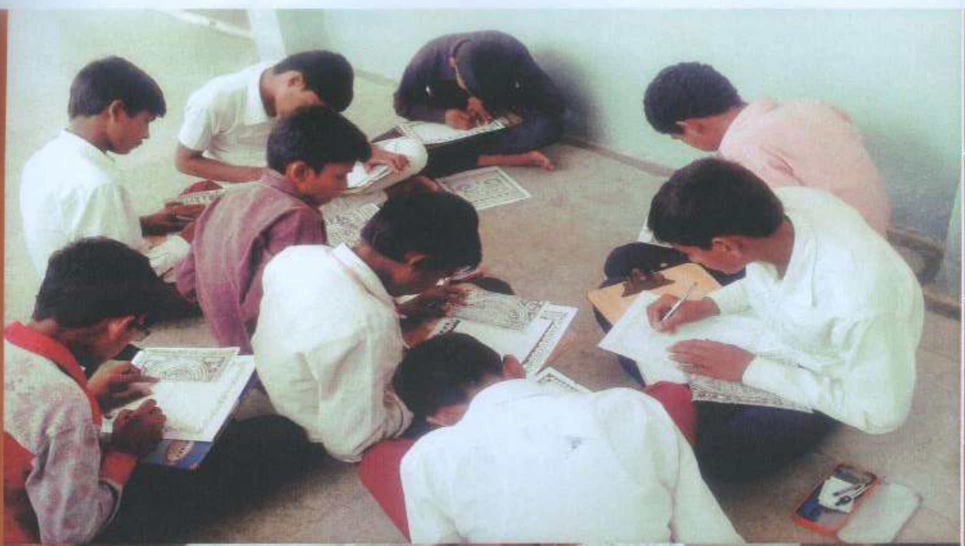

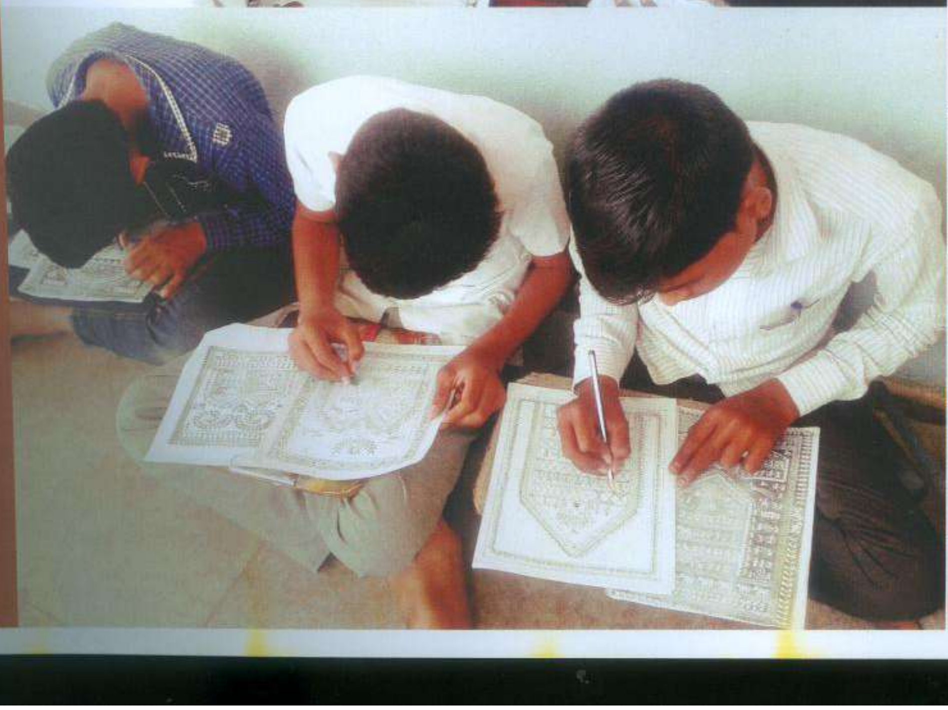

वारली चित्रकलासे बनाये इनोलप

किर्तन कला के परीचय के साथ शिवजयंती

19 फरवरी छत्रपती शिवाजी महाराज इनका जन्म दिन हम हर साल स्कूल में शिवजयंती के रूप में मनाते है | इस साल हमने अजंता सांस्कृतिक क्लब की मिटींग ले के नये तरीके से शिवजयंती मनाने का फैसला हमारे हेडमास्टरजी श्री.कसबे सर इनकी परवानगी लेके ले लिया | शिवाजी महाराज इनका चरीत्र कीर्तन कला के व्दारासभी को सुनवाया जाए और कार्यक्रम में इलाके के सभी गाववालोंको माता पिताओंके नानाजी नानीजी भी इस कार्यक्रम सम्मेलित होगें इस .तरफ ध्यान दिया | सभी स्कूल के बच्चोंको इससे कीर्तन कला समझ में आयेगी और छत्रपती शिवाजी महाराजजींका जीवन चरीत्र भी सुनने में आयेगा और बंच्चोके परीवार वाले भी एक साथ स्कूल में आयेंगे इसलिए हमारे क्लब ने इस कार्यक्रम का आयोजन कीया था | इस कार्यक्रम के लिए गाववालों ने मिलकर शामियाने का और भोजन का खर्चा उठाया |

इस वक्त ह.भ्.प. श्री. केद्रार महाराज जामखेडकरइन्होने शिवाजी महाराज के जीवन के कीस्से , उनकी राजनिती ,महाराज की युध्दनिती ,उनके अच्छे संस्कार के बारे मे बहोत सारी जानकारी संगीत कला के साथ बताई | इस कार्यक्रम के लिए हजारो पालक लोग ने अपनी उपस्थिती लगवाई थी |

कीर्तन कला पेश करते हुये ह.भ.प. केदार महाराज

प्रदर्शनी

अजंता सांस्कृतिक क्लब कानडीघाट हायस्कूल, कानडीघाट ता. जि.बीड (महाराष्ट्र) इस क्लब की व्दारा साल 2015-16 में चलाई गई गतिविधीया व्दारा बनाई गयी वस्तूंओंका प्रदर्शन हमने जागतिक महिला दिन के निमित्त 8 मार्च 2016 को रखा था। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष हमारे स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री. कसबे सर थे। प्रमुख अतिथी गाव की महिला सरपंच श्रीमती रंजना अडागळे थी। इस कार्यक्रम को गांव के सभी महिलाओंको आमंत्रित कीया गया था। इस वक्त क्लब व्दारा सालभर बनाई गयी सभी वस्तूओंका प्रदर्शन रखा था।

इस प्रदर्शन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन कीया गया। इसमे सभी सदस्योंने हिस्सा लेके माताओंका मनोंरंजन के साथ भारतीय संस्कृती के दर्शन के कुछ नमुने भी पेश कीये गये। सभी माताओंने और बहोत सारे सदस्योंके पिताजी नाना नानी हाजीर थे उन्होने क्लब के कामकाज की वाहवा की और हमे शाबासकी दे दी।

इसलिए हम सी.सी.आर.टी. को धन्यवाद देते है जिन्होने हम ये मौका प्रदान कीया। हमें हमेशा इस काम में हमारे डि.आर.पी .श्री.माधव जो शी सर मार्गदर्शन मिलता है। हम उनके भी आभारी है। और हमारे स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री.कसबे सर और सभी सारे शिक्षक श्री. शिंदे सर, माने सर, पठाण सर, चंदनशीव सर, सय्यद सर ,पाचणकर सर, आजबे सर, टेकाळे सर, अशोक दादा सर, क्षीरसागर सर त्रिंबक झोडगे सर इन सभी के हम क्लब की तरफ से आभारी है।

द्वारा संचलित...
अजंता
कानडीघा

सी.सी.आर.टी. नई दिल्ली
संचलित...

द्वारा

सी सी आर टी. नई दिल्ली द्वारा संचालित